**अपडेटेड- दिनांक: 21 नवम्बर-2025**

# राजनीतिक दलों द्वारा 2020 के बिहार विधान सभा चुनाव के दौरान एकत्रित धन और व्यय का विश्लेषण

यह रिपोर्ट

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म

द्वारा प्रकाशित है

प्लाट नंबर. ई-5, चौथी मंजिल, लेन-1, वेस्टएंड मार्ग, सैदुलाजाब,
(साकेत मेट्रो गेट नंबर 2 के पीछे) नई दिल्ली - 110030
ईमेल: adr@adrindia.org; फ़ोन: 011-4165 4200

# सारांश

## प्रस्तावना

- राजनीतिक दलों को अपने चुनाव खर्च का विवरण विधान सभा चुनाव की अंतिम तिथि से **75 दिन** के अंतर्गत चुनाव आयोग में जमा करना होता है | तदनुसार, दलों के लिए चुनाव खर्च विवरण जमा करने की अंतिम तिथि **26 जनवरी, 2021** थी |
- व्यय विवरण में चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों को प्राप्त कुल राशि (नकद, चेक और डी डी में) और दलों का खर्च विवरण (नकद, चेक, शेष बकाया राशि) होता है |
- चुनाव खर्च विवरण में राजनीतिक दलों को केंद्रीय मुख्यालय (**Central Headquarters)** और राज्य स्तर द्वारा किये खर्चों की राशि की जानकारी निम्नलिखित वर्गों में विभाजित हैं:
    - प्रचार
    - यात्रा खर्च
    - अन्य खर्च
    - उम्मीदवारों पर व्यय
    - दलों द्वारा उम्मीदवारों के अपराधिक पृष्ठभूमि को प्रकाशित करने पर किया गया व्यय
- राजनीतिक दल चुनाव घोषणा तिथि तथा चुनाव समाप्ति तिथि के बीच प्राप्त धन की सूचना इस ब्यौरे में देते हैं | **यह अवधि चुनाव आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर तीन सप्ताहों से तीन महीनों के बीच हो सकती है** |
- यह रिपोर्ट बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त धन राशि और किए गए व्ययों का विश्लेषण करती है। यह चुनाव सितंबर (25 सितंबर 2020 को चुनाव की घोषणा) से नवंबर (12 नवंबर 2020 को चुनाव सम्पन्न) 2020 के बीच आयोजित किए गए थे।
- इस रिपोर्ट में **5 राष्ट्रीय दलों** और **12 क्षेत्रीय दलों** पर विचार किया गया है | हालाँकि, चुनाव आयोग की वेबसाइट पर केवल 13 राजनीतिक दलों का ही व्यय विवरण उपलब्ध है |
- बिहार विधानसभा चुनाव के लिए चार दलों (**राष्ट्रीय लोक दल**, **राष्ट्रीय लोक समता पार्टी**, **जनता दल (सेक्युलर)** और **झारखंड मुक्ति मोर्चा**) के चुनाव व्यय विवरण इस रिपोर्ट की तैयारी के समय निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं थे।

| Status of Submission of expenditure statements by political parties during Bihar Assembly Election 2020 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **S.No** | **Party Name** | **Party code** | **Submission Date** | **Central Headquarters** | **Bihar state unit** | **No. of days by which submission delayed** |
| 1 | All India Majlis-E-Ittehadul Muslimeen | AIMIM | 25 January, 2021 | Submitted | Submitted | 0 Day |
| 2 | Communist Party of India (Marxist) | CPI(M) | 27 January, 2021 | Submitted | Submitted | **01 Day** |
| 3 | All India Forward Bloc | AIFB | 3 February, 2021 | Submitted | Submitted | **07 Days** |
| 4 | Nationalist Congress Party | NCP | 3 February, 2021 | Submitted | Submitted | **07 Days** |
| 5 | Shiv Sena | SHS | 8 February, 2021 | Submitted | Submitted | **12 Days** |
| 6 | Janata Dal (United) | JD(U) | 17 February, 2021 | Submitted | Submitted | **21 Days** |
| 7 | Indian National Congress | INC | 11 March, 2021 | Submitted | Submitted | **44 Days** |
| 8 | Bharatiya Janata Party | BJP | 16 March, 2021 | Submitted | Submitted | **49 Days** |
| 9 | Bahujan Samaj Party | BSP | 31 March, 2021 | Submitted | Submitted | **64 Days** |

| Status of Submission of expenditure statements by political parties during Bihar Assembly Election 2020 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **S.No** | **Party Name** | **Party code** | **Submission Date** | **Central Headquarters** | **Bihar state unit** | **No. of days by which submission delayed** |
| 10 | Communist Party of India | CPI | 22 June, 2021 | Submitted | Submitted | **147 Days** |
| 11 | Lok Janshakti Party | LJP | 25 June, 2021 | Submitted | Submitted | **150 Days** |
| 12 | Rashtriya Janata Dal | RJD | 7 August, 2021 | Submitted | Submitted | **193 Days** |
| 13 | National People's Party | NPEP | 17 April, 2023 | Submitted | Submitted | **2 Years, 2 Months and 21 Days** |
| 14 | Rashtriya Lok Dal | RLD | **Unavailable on website of ECI** | | | **4 Years, 9 Months and 21 Days** |
| 15 | Rashtriya Lok Samta Party | RLSP | | | | |
| 16 | Janata Dal (Secular) | JD(S) | | | | |
| 17 | Jharkhand Mukti Morcha | JMM | | | | |

## चुनाव खर्च विवरण में दी गयी जानकारी

### प्राप्त धन राशि और उनके चुनावी खर्च: राजनीतिक दल

- इस रिपोर्ट में राष्ट्रीय दलों **बीजेपी, कांग्रेस, बीएसपी, सीपीआई (एम), एनपीईपी** और क्षेत्रीय दलों **एआईएमआईएम**, **एआईएफबी**, **एनसीपी**, **शिवसेना**, **जेडी(यू)**, **सीपीआई**, **एलजेपी** और **आरजेडी** पर विचार किया गया है |
- **एनपीईपी** एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने केंद्रीय मुख्यालय और राज्य इकाई में कोई धन संग्रह और चुनाव व्यय की घोषणा नहीं की है और **एनसीपी, आरजेडी** और **एआईएफबी** ने बिहार विधान सभा चुनाव, 2020 के दौरान कोई भी व्यय घोषित नहीं किया है |
- बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में, **13 राजनीतिक दलों** ने कुल **रु 174.313 करोड़** एकत्रित किये और इन दलों का कुल व्यय **रु 86.944 करोड़** रहा |
- सभी राजनीतिक दलों ने कुल मिलाकर केंद्रीय मुख्यालय द्वारा **रु 110.05 करोड़** की आय जमा की और **रु 44.224 करोड़** का व्यय किया | **बिहार प्रदेश** राज्य इकाइयों से **रु 42.72 करोड़** का व्यय किया |

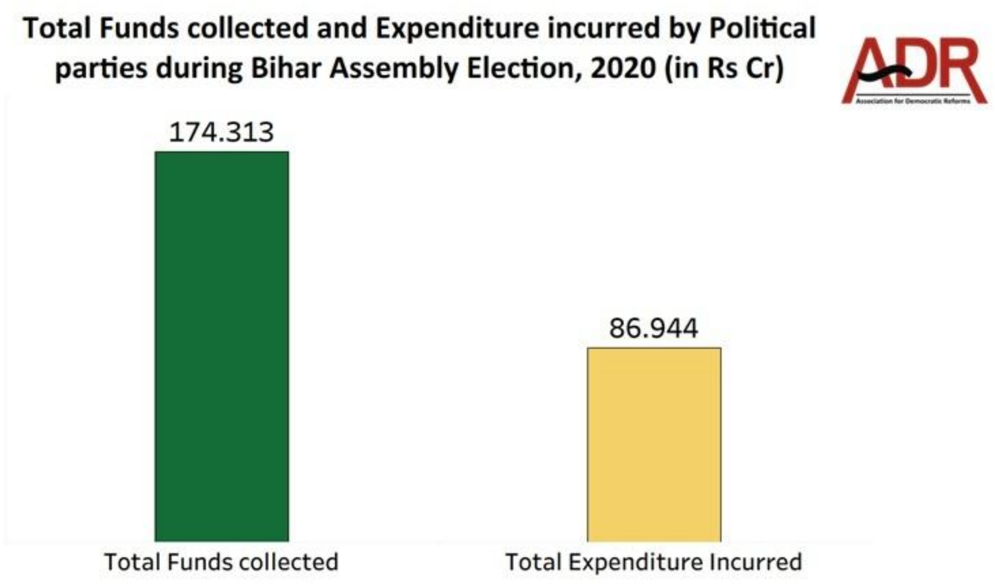

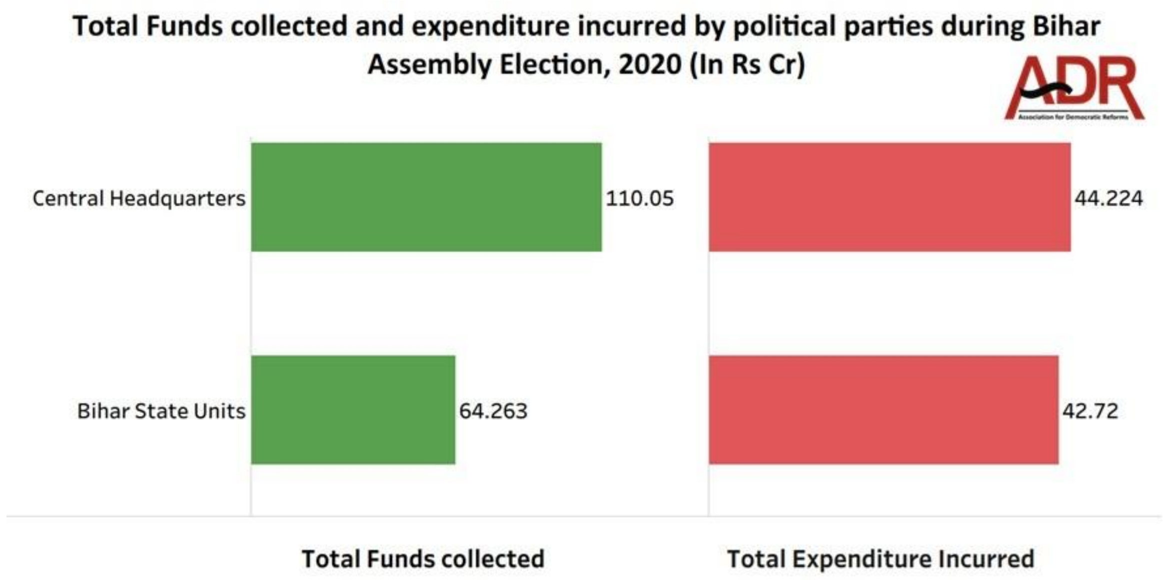


## विभिन्न वर्गों के तहत राजनीतिक दलों का व्यय

- चुनाव खर्च विवरण में राजनीतिक दलों को केंद्रीय मुख्यालय और राज्य स्तर द्वारा किये खर्चों की राशि की जानकारी निम्नलिखित वर्गों में विभाजित हैं: प्रचार, यात्रा खर्च, अन्य खर्च, उम्मीदवारों पर व्यय और दलों द्वारा उम्मीदवारों के अपराधिक पृष्ठभूमि को प्रकाशित करने पर किया गया व्यय |
- **बिहार विधानसभा चुनाव 2020** में, राजनीतिक दलों ने **उम्मीदवारों को दिए गए एकमुश्त राशि** पर सबसे अधिक **रु 47.358 करोड़** खर्च किए। इसके बाद **यात्रा व्यय** पर **रु 42.671 करोड़**, **प्रचार व्यय** पर **रु 41.684 करोड़ अन्य खर्च** पर **रु 5.711 करोड़** और **उम्मीदवारों के आपराधिक विवरण प्रकाशित** करने पर **रु 5.359 करोड़** खर्च घोषित किया है |
- कुल घोषित व्यय में से उम्मीदवारों को दी गई **एकमुश्त राशि** पर **33.17% और यात्रा** पर **29.89%** का खर्च दर्शाया है।
- **अन्य खर्च** पर कुल **4%** का व्यय घोषित किया गया |

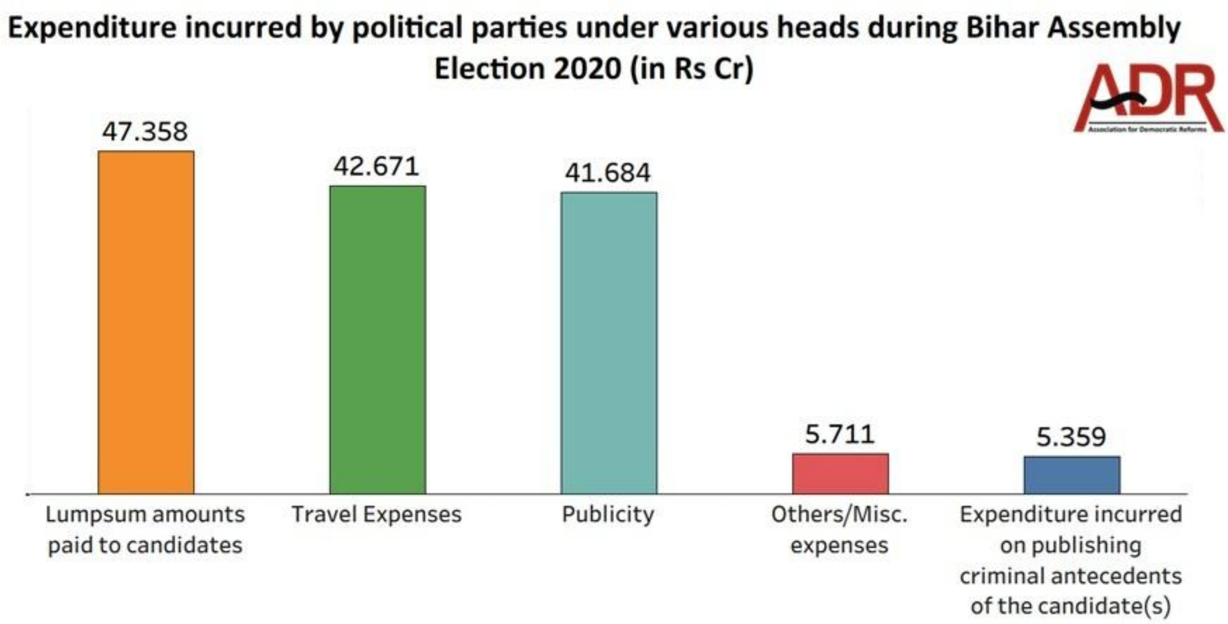

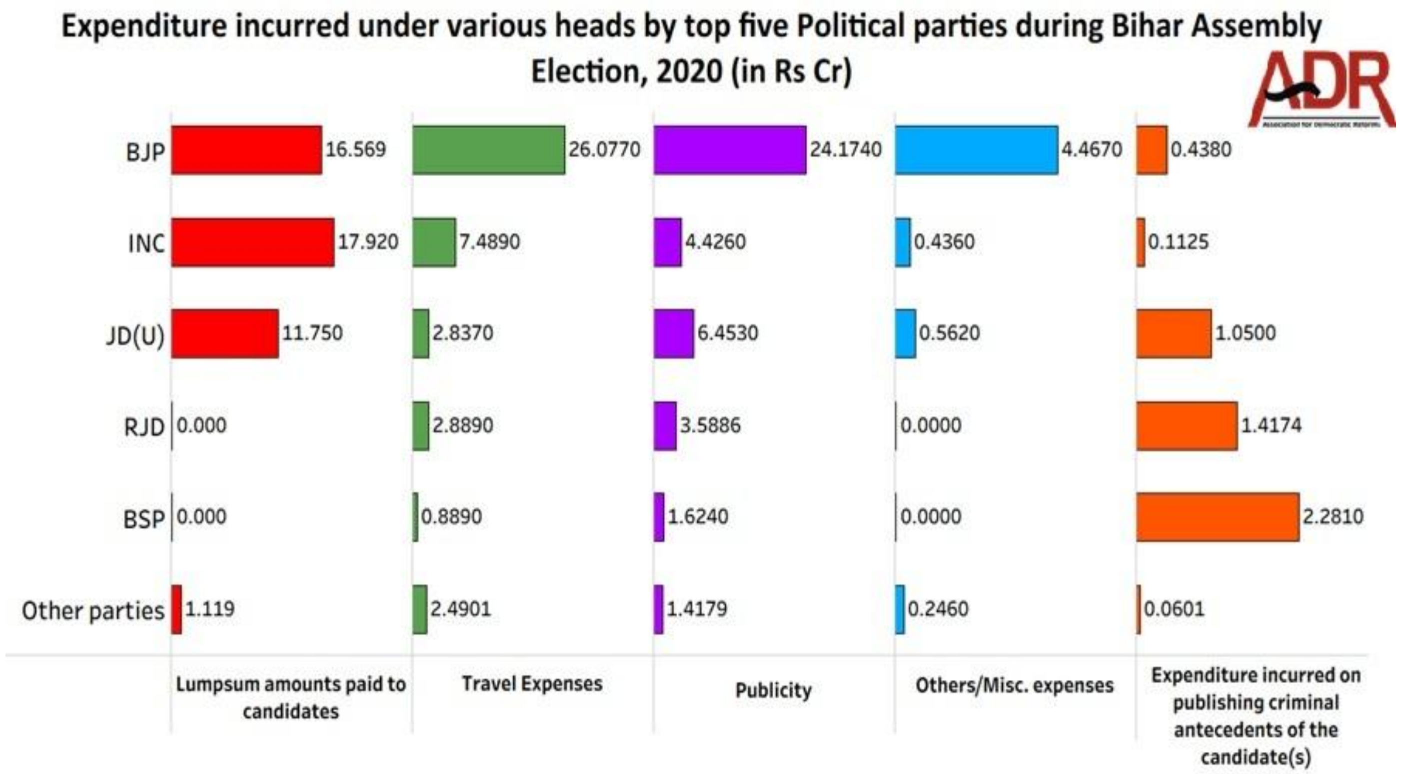


## राजनीतिक दलों का प्रचार पर खर्च

- प्रचार खर्च के तहत **मीडिया विज्ञापन, प्रचार सामग्री** और **जन सभा** शामिल हैं |
- राजनीतिक दलों ने **बिहार** विधान सभा चुनाव के दौरान **मीडिया विज्ञापन** पर **रु 27.77 करोड़** का सबसे अधिक खर्च दिखाया है | इसके बाद **प्रचार सामग्री** पर **रु 7.619 करोड़** और **जन सभा** पर **रु 6.295 करोड़** खर्च दर्शाया है |
- **प्रचार** माध्यम से राजनीतिक दलों ने **बिहार** राज्य इकाइयों से सबसे अधिक **रु 31.674 करोड़** (75.99%) का व्यय किया है इसके बाद **केंद्रीय मुख्यालय** से **रु 10.01 करोड़ (24.01%)** का खर्च किया है |

| **Total expenditure on Publicity** | **Expenses on Publicity during Bihar Assembly Election, 2020** | | |
|---|---|---|---|
| | **Central Headquarters** | **Bihar state Units** | **Total** |
| **Media Advertisement** (Print & Electronic, Bulk SMS, Cable, Website, TV channels, etc.) | 5.113 | 22.657 | **Rs 27.77 cr** |
| **Publicity Materials** (Poster, Banners, Badges, stickers, Arches, Gates, Cut outs, Hoardings, flags, etc.) | 4.653 | 2.966 | **Rs 7.619 cr** |
| **Public Meetings** | 0.244 | 6.051 | **Rs 6.295 cr** |
| **Total** | **Rs 10.01 cr** | **Rs 31.674 cr** | **Rs 41.684 cr** |

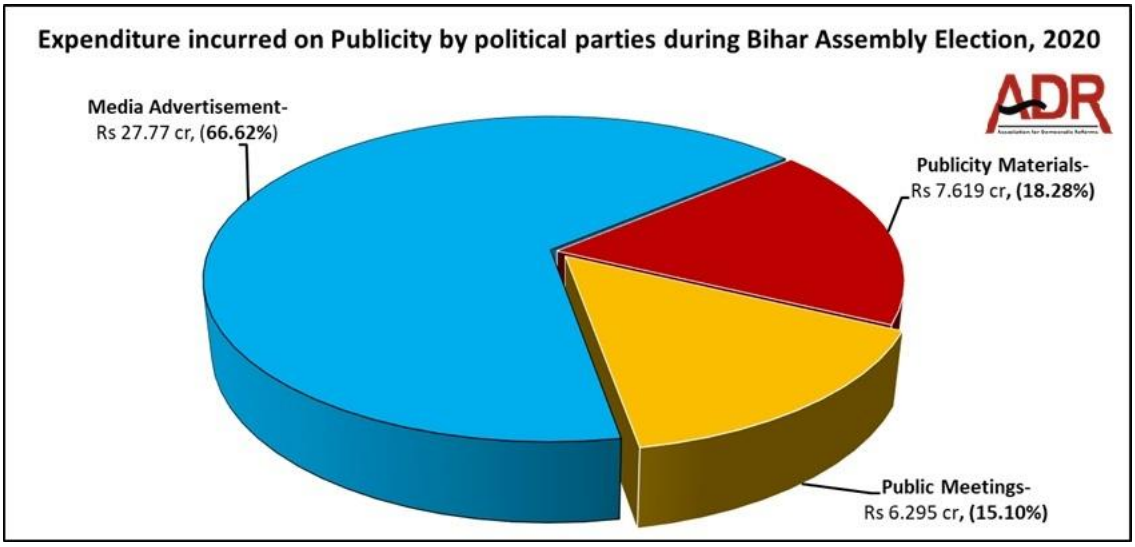


## राजनीतिक दलों का यात्राओं पर खर्च

- यात्रा खर्च में **स्टार प्रचारक** और '**पार्टी लीडर्स**' के यात्रा खर्च शामिल हैं |
- राजनीतिक दलों ने अपने **यात्रा** पर किये कुल खर्च में से **91.52%** या **रु 39.053 करोड़** अपने **स्टार प्रचारकों** पर और केवल **8.48%** या **रु 3.618 करोड़** अपने पार्टी के **अन्य नेताओं** की यात्रा खर्च किया है |
- यात्रा में **केंद्रीय मुख्यालय** द्वारा **रु 35.181 करोड़** का व्यय किया गया जो कुल यात्रा व्यय का **82.45%** था | इसके मुकाबले, दलों ने बिहार **राज्य इकाइयों** से **रु 7.49 करोड़ (17.55%)** का खर्च दर्शाया है |

| Total expenditure on Travel | Expenses on Travel during Bihar Assembly Election, 2020 | | |
|---|---|---|---|
| | Central Headquarters | Bihar state Units | Total |
| Travel expenses of **Star campaigners** | 32.283 | 6.770 | **Rs 39.053 cr** |
| Travel expenses of **Leaders** | 2.898 | 0.72 | **Rs 3.618 cr** |
| **Total** | **Rs 35.181 cr** | **Rs 7.49 cr** | **Rs 42.671 cr** |

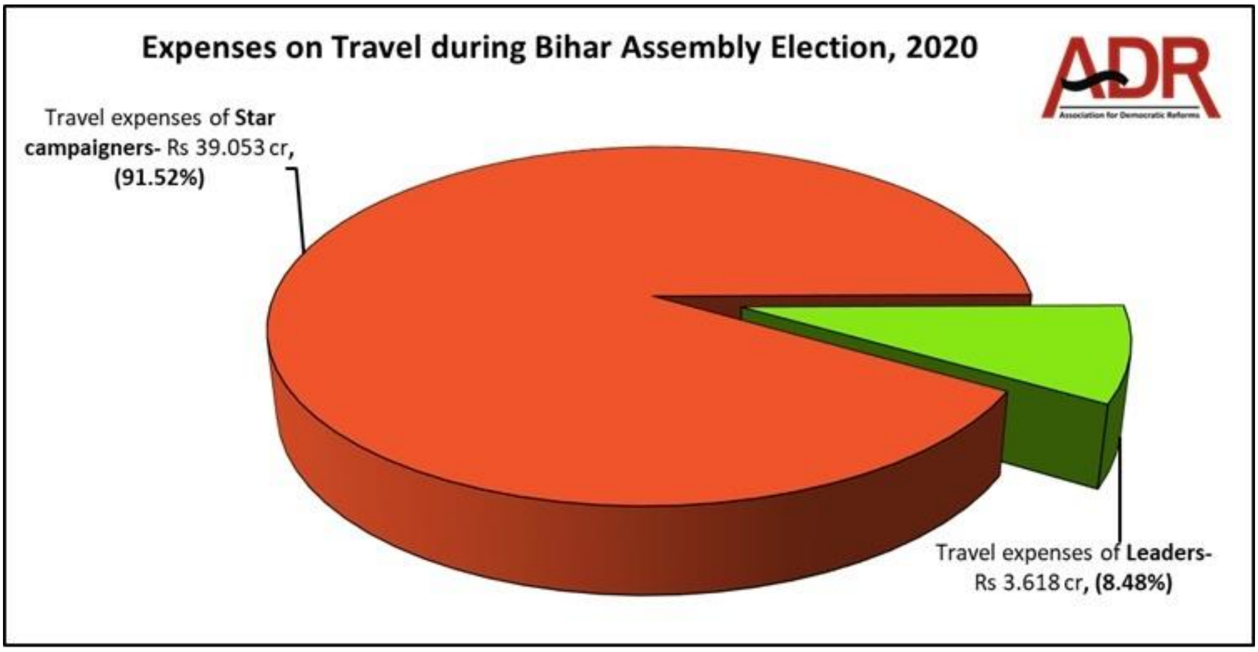

# एडीआर का अवलोकन

- **बिहार विधानसभा चुनाव 2020** में चुनाव लड़ने वाले चार दलों (राष्ट्रवादी लोक दल, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी, जनता दल (सेक्युलर) और झारखंड मुक्ति मोर्चा) के चुनाव व्यय विवरण रिपोर्ट बनाने के समय तक चुनाव आयोग की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं थे | जबकि यह स्थिति **4 वर्ष 8 महीने** से अधिक की लंबी देरी के बाद भी बनी हुई है |
- **एनपीईपी** एकमात्र ऐसा दल है जिसने अपने केंद्रीय मुख्यालय और राज्य इकाई स्तर पर प्राप्त धनराशि और किए गए चुनाव व्यय का कोई विवरण घोषित नहीं किया है। **आरजेडी**, **एआईएफबी** और **एनसीपी** ने भी बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के दौरान नकद, चेक/डीडी और अन्य के रूप में किए गए किसी भी व्यय का विवरण घोषित नहीं किया है।
- यह ध्यान देने योग्य है कि **आरजेडी** ने अपने विवरण के भाग A (केंद्रीय मुख्यालय) और भाग B (बिहार राज्य इकाई) में किए गए व्यय का विवरण घोषित नहीं किया है। हालांकि, **रु 6.478 करोड़** की एक राशि भाग C में घोषित की गई है। इसलिए, इस राशि को नकद, चेक/डीडी और अन्य के रूप में किए गए व्यय वाली तालिका में शामिल नहीं किया गया है।
- **कांग्रेस** के चुनाव व्यय विवरण के **भाग C के अनुसार**, बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के लिए कुल **रु 44.536 करोड़** की प्राप्त धनराशि दिखायी गई है। इनमें से **रु 19.13 करोड़** को "**समायोजन – आंतरिक कार्यालयीय लेन-देन**" के रूप में दर्ज किया गया है, जो पार्टी के केंद्रीय मुख्यालय से बिहार राज्य इकाई को किया गया एक आंतरिक ट्रांसफ़र है। इसी कारण **रु 19.13 करोड़** की धनराशि को रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है । इस आंतरिक समायोजन को हटाने के बाद, कांग्रेस की वास्तविक प्राप्त धनराशि **रु 25.406 करोड़** बनती है।
- शिवसेना ने अपने केंद्रीय मुख्यालय (भाग A) से बिहार राज्य इकाई (भाग B) को रु 10 लाख ट्रांसफर किए। यह राशि भी दल के अंदर का आंतरिक हस्तांतरण होने के कारण रिपोर्ट में चुनाव व्यय के रूप में शामिल नहीं किया गया है |

# एडीआर की सिफारिशें

- सभी राजनीतिक दलों को अपने व्यय का विवरण चुनाव आयोग को निर्धारित समय सीमा के भीतर, दिए गए प्रारूप में प्रस्तुत करना चाहिए | समय पर या निर्धारित प्रारूप में जो राजनीतिक दल अपने चुनाव खर्च का विवरण प्रस्तुत नहीं करते है उनको सज़ा दी जानी चाहिए।
- उन सभी दानदाताओं की जानकारी और योगदान का ब्यौरा सार्वजनिक होना चाहिए जिन्होंने चुनाव अभियान के दौरान राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों को दान राशि दी हो |
- सभी राजनीतिक दलों को वार्षिक दान रिपोर्ट कि तरह चुनाव अवधि के दौरान प्राप्त चंदे का ब्यौरा चुनाव आयोग को जमा करना चाहिए जिससे वित्तीय पारदर्शिता और काले धन का असर कम हो |
- जिस तरह से उम्मीदवारों के खर्च की निगरानी के लिए निर्वाचन आयोग के चुनाव समीक्षक होते है उसी तरह से राजनीतिक दलों के खर्च की निगरानी के लिए भी समीक्षक होना चाहिए।
- चुनाव आयोग द्वारा जारी पारदर्शिता दिशानिर्देशों के अनुसार चेक/डीडी/आरटीजिस के माध्यम से व्यय का लेनदेन होना चाहिए जिससे चुनाव में काले धन के उपयोग को कम किया जा सके |

# अस्वीकरण

रिपोर्ट में उपयोग किए गए डाटा का स्त्रोत राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों द्वारा भारत चुनाव आयोग को प्रस्तुत चुनाव खर्च विवरणों (***जिन राजनीतिक दलों ने बिहार विधान सभा चुनाव 2020 लड़ा***) से लिया गया है | एडीआर किसी भी जानकारी को अपने रिपोर्ट में तब तक नहीं जोड़ता या घटाता है जब तक चुनाव आयोग डाटा में बदलाव नहीं करता | विशेष रूप से, किसी अन्य स्त्रोत से किसी भी असत्यापित जानकारी का उपयोग नहीं किया जाता है | इस डाटा को चुनाव आयोग के **वेबसाइट** में देख सकते हैं | डाटा को सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए गए हैं और यह जानकारी राजनीतिक दलों द्वारा प्रस्तुत विवरणों में उल्लेखित आकड़ों के अनुरूप है | यदि इस रिपोर्ट में दी गयी जानकारी और दलों के विवरणों में घोषित जानकारी में अंतर् पाया जाता है तो ऐसे मामलों में राजनीतिक दलों द्वारा दी गई जानकारी ही सही मानी जानी चाहिए | एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), नेशनल इलेक्शन वॉच (एनईडब्लू) और उसके स्वयंसेवक इसके प्रकाशन से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से होने वाली किसी भी क्षति के लिए जिम्मेदार या उत्तरदायी नहीं होंगे |

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि एडीआर, भारत के चुनाव आयोग और सबंधित राज्य के मुख्य कार्यकारी अधिकारीयों के साथ प्रस्तुत राजनीतिक दलों के ऑडिट, योगदान रिपोर्ट और चुनाव खर्च विवरणों के विश्लेषण और प्रसार में बहुत अत्यधिक सावधानी बरतता है | इस तरह की जानकारी का उद्देश्य केवल ***हमारी चुनावी और राजनीतिक प्रक्रिया में धन के बढ़ते दुरूपयोग को उजागर करना है ताकि पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन की प्रणाली को सुगम बनाया जा सके और मतदाताओं को एक सूचित विकल्प बनाने में सक्षम बनाया जा सके***| इसलिए, यह अपेक्षा की जाती है कि इस रिपोर्ट का उपयोग करने वाला कोई भी व्यक्ति एडीआर द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा का उपयोग करते समय उचित और अत्यधिक सावधानी बरतेगा | एडीआर किसी भी गलत तरीके से निपटने, विसंगति, समझने में असमर्थता, गलत व्याख्या या हेरफेर, डाटा को इस तरह से विकृत करने के लिए जिम्मेदार नहीं है ताकि किसी विशेष राजनीतिक दल या राजनेता या उम्मीदवार को लाभ या लक्षित किया जा सके |

# सम्पर्क

## स्टेट कोऑर्डिनेटर

**Mr. Rajiv Kumar**
+91-93343-76048
+91-96319-76889
rajivkumar_patna@rediffmail.com

## नेशनल इलेक्शन वॉच (एनईडब्लू) और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर)

| **Media and Journalist Helpline** | **Maj. Gen Anil Verma (Retd.)** | **Prof Trilochan Sastry** | **Dr Ajit Ranade** |
|---|---|---|---|
| +91 80103 94248<br>Email: adr@adrindia.org<br>https://adrindia.org/about-adr/state-coordinators | Head, NEW & ADR<br>anilverma@adrindia.org | IIM Bangalore (Retd.)<br>Founder, NEW & ADR<br>tsastry@gmail.com | Founder Member, NEW & ADR<br>ajit.ranade@adrindia.org |